DECLINE OF ROMAN EMPIRE-1

FOR:U.G.PART-1,PAPER-2

BY:ARUN KUMAR RAI

ASST.PROFESSOR

P.G.DEPT.OF HISTORY

MAHARAJA COLLEGE,ARA.

भूमिका

- रोम का इतिहास इटली देश का इतिहास नहीं बल्कि रोम नगर के उत्थान पतन का इतिहास है। 1000 ई.पू. में रोम एक साधारण ग्राम था जिसका क्षेत्रफल 5 वर्ग मील से भी कम था।उसके पश्चात यह नगर राज्य बना फिर मध्य इटली में लैटिन प्रदेश में एक विस्तृत राज्य के रूप में परिणत हुआ और तब संपूर्ण इटली में विस्तृत राज्य

भूमिका

- और आगे चलकर विश्व सामाज्य।
- 753 ई.पू. के लगभग रोम नगर का जन्म हुआ। प्राचीन रोम के रचनाकारों के अनुसार 753 ईसा पूर्व के लगभग ***रोमुलस***(**Romulus**) तथा ***रिमस*** (**Remus**)नामक दो व्यक्तियों ने रोम की स्थापना की और राजतंत्रीय शासन व्यवस्था कायम की।***रोमुलस*** के नाम पर इस नगर का नाम रोम पड़ा।

भूमिका

- रोम नगर टाइबर नदी के मुहाने से 15 मील दूर नदी के उत्तरी तट पर एक पहाड़ी पर स्थित था |कालांतर में यह पड़ोस की छः अन्य पहाड़ियों पर फैल गया इसीलिए यह ***सात पहाड़ियों का नगर*** कहलाने लगा |नदी तट पर अवस्थित होने के कारण यह आंतरिक व्यापार तथा व्यवसाय के लिए और नदी द्‍वारा समुद्र से जुड़ा होने के कारण विदेशी व्यापार के लिए आदर्श स्थल था|

रोमन साम्राज्य

- रोम के राजनीतिक इतिहास को तीन युगों में विभक्त किया जाता है:

1. राजतंत्रात्मक युग(753-509ई.पू.)
2. गंणतंत्रात्मक युग(509-427 ई.पू.)
3. साम्राज्यिक युग(427ई.पू.-476ई.)

रोमन साम्राज्य

- राजतंत्रात्मक युग- इसकी स्थापना रोमुलस ने की और शासन प्रणाली करीब ढाई सौ वर्षों तक 6 राजाओं की देखरेख में कायम रही। इस काल में शासन तथा सेना का संगठन किया गया । अंतिम शासक तारकीनस सुपर्बस के अत्याचार से तंग आकर 509 ई.पू.में उसे पदच्युत कर गणतंत्र की स्थापना की गई ।

रोमन साम्राज्य

- **<u>गणतंत्रात्मक युग-</u>** इस युग में राज्य विस्तार की नीति अपनाई गई। एर्टस्कन लोगों पर रोम के सैनिकों ने अधिकार कर लिया। यूनानियों ने भी रोम की संप्रभुता स्वीकार कर ली।
- इसी काल में कार्थेज और रोम के बीच 120 वर्षों तक रुक रुक कर युद्ध होते रहा जो ***प्यूनिक युद्ध*** के नाम से जाना जाता है। अनेक बार हार कर भी विश्व प्रसिद्ध सेनानायक ***हेनीबाल***(Hannibal)को ***जामा की लड़ाई*** में परास्त किया।कार्थेज भूमध्य सागर स्थित बड़ा दीप था जिसका व्यापारिक महत्व था। जामा की लड़ाई के पश्चात रोम की राजनीतिक तथा सैनिक शक्ति अधिक बढ़ गई।

रोमन साम्राज्य

- इस काल में रोम पहली बार राजधानी के रूप में प्रसिद्ध् हुआ जिसका साम्राज्य पूर्व में ईरान की खाड़ी तक पश्चिमी में अटलांटिक महासागर तक ,उत्तर में इंग्लैंड तक दक्षिण में सहारा मरुस्थल तक फैल चुका था| पश्चिम में रोम सर्वोपरि हो गया|(Rome become supreme in the West.)

रोमन साम्राज्य

- साम्राज्य युग में रोम नगर की प्रतिष्ठा काफी बढ़ गई। इस काल के सैनिकों ने मेसीडन पर अधिकार कर लिया। विश्व प्रसिद्ध शासक जुलियस सीजर ने गॉल(Gaul) आधुनिक फ्रांस पर आधिपत्य कायम कर लिया और ब्रिटेन तक धावा बोल दिया। जुलियस सीजर ने ***गॉल युद्ध पर टिप्पणी*** नामक पुस्तक लिखी। सीजर को सीनेट ने रोम का ***इंपरेटर*** की उपाधि प्रदान की। सीजर को ***देश का पिता*** कहा गया। इसने अपने नाम पर ***जूलियन कैलेंडर*** बनवाया।

रोमन साम्राज्य

- ऑक्टेवियन जुलियस सीजर का दत्तक पुत्र था ।मरणोपरांत रोम सहित पश्चिमी देशों का शासक बना। इसने 31.ई. पूर्व से 14 ई:पू.तक शासन किया।इसने ***सीजर,प्रिंसेप, इम्परेटर*** की उपाधि ग्रहण की । सीनेट ने उसे ***आगस्टस*** की उपाधि प्रदान की जिसके बाद वह ***ऑक्टेवियन आगस्टस सीजर*** बना। आगस्टस का शासन काल ***रोम का स्वर्ण काल*** कहलाया। इसके काल में व्यापार साहित्य, कला के क्षेत्र में चतुर्दिक वृद्धि हुई।

रोमन साम्राज्य

- चौथी शताब्दी में रोम के गृह युद्ध में सफलता पाकर सम्राट ***कान्सटेनटाइन*** (Constantine)रोम का सम्राट बना। इसने दूसरी राजधानी का निर्माण किया जिसे ***बैजेन्तीयम(Byzantium)***कहा गया। यही आगे चलकर ***कान्सटेंटिनोप्ल(Constantinople***)के नाम से प्रसिद्ध हुआ
- इसके बाद ***थियोडोसियस***(Theodosius) शासक बना इसने रोमन साम्राज्य को दो भागों पूर्वी तथा पश्चिमी में में विभाजित किया ।

रोमन साम्राज्य

- पूर्वी भाग का शासक अपने ज्येष्ठ पुत्र ***आर्केडियस*** को बनाया जिसकी राजधानी ***कान्सटेंटिनोप्ल*** थी जबकि दूसरा भाग पश्चिमी क्षेत्र अपने दूसरे पुत्र ***होनारियस*** को सुपुर्द किया ।इसकी राजधानी ***रोम*** थी। पश्चिमी भाग में इटली, गॉल, स्पेन और ब्रिटेन के राज्य शामिल थे जबकि पूर्वी भाग में एड्रियाटिक सागर के पूरब यूनान, उत्तरी अफ्रीका आदि राज्य शामिल थे।

रोमन साम्राज्य

- साम्राज्य विभाजन से रोम की शक्ति को गहरा आघात लगा विदेशी आक्रमण होने लगे। पांचवी सदी में एशिया के हूण नेता एटिला ने कांस्टेंटिनॉपल के शासकों को कर देने के लिए बाध्य किया।गालो,हूणों, वेंडलों के आक्रमण ने रोमन साम्राज्य की शक्ति को गहरा आघात पहुंचाया।

रोमन साम्राज्य

- पांचवी शताब्दी के समापन के पूर्व ही पश्चिमी साम्राज्य का पतन हो गया जबकि पूर्वी साम्राज्य अगले एक हजार वर्षों तक कायम रहा और सन 1453 ईसवी में उसका अवसान हुआ। इतिहासकार **गिब्बन (Gibbon)**के शब्दों में- रोमन साम्राज्य का पतन संभवत मानव इतिहास में एक भयानकतम दृश्य है।
-

To be contd......